डांस में करियर या कोरियोग्राफर कैसे बने

डांस सिखाना यानि कोरियोग्राफर बनना आज कल युवाओं की पसंद बन रहा है.यह एक पैसा और नाम देने वाला करियर है और फिल्म इंडस्ट्री में अच्छे कोरियोग्राफर की डिमांड रात दिन बढ़ती जा रही है.लेकिन इसमें करियर बनाने की सोचने से पहले यह जान लें की कोरियोग्राफी केवल डांस करना ही नहीं है बल्कि दूसरों को नए तरह का डांस सिखाना है. इसलिए सब तरह के डांस, डांसिंग स्टेप्स और डांस को हर तरह के म्यूजिक पर डांस कर सकना ही कोरियोग्राफी है. चलिए जाने डांस मैं करियर कैसे करे कोरियोग्राफर कैसे बने.

कोरियोग्राफर कैसे बने-

कुछ लोगो को बचपन से ही डांस करने का बहुत शौक होता हैं. ऐसे लोग बचपन से डांस सीखते हैं या ऐसे भी उन् लोगो को बहुत अच्छा डांस आता. जो लोग डांस में माहिर होते हैं उन् लोगो के घर में भी बहुत सारे डांस कम्पटीशन 'से जीती हुई ट्रॉफीज होती हैं. ऐसे लोग बड़े होकर भी अपनी डांस को कंटिन्यू रखना चाहते हैं और डांस मैं अपना करियर बनाना चाहते हैं. लेकिन जिन लोगो को यह अच्छी तरह से पता ही नहीं होता कि उन्हें डांस में करियर बनाने के लिए क्या क्या करने की जरूरत हैं उन् लोगो का सपना तो अधूरा ही रह जाता हैं.

लेकिन हमारा सवाल यह हैं की अगर हुनर और जज्बा हैं तो क्यों हमारा कोई भी सपना अधूरा रहे.आज हम अपने इस लेख में आप लोगो को यह बताएँगे की हम डांस मैं अपना करियर बनाने के लिए क्या क्या तरीका अपना सकते हैं.आप लोगो को बस हमारे इस लेख में दिए गए कुछ ट्रिक्स को ध्यान से पड़ने की और फॉलो करने की जरूरत हैं.यकीं मानिये इन् ट्रिक्स को फॉलो करके आप लोग डांस मैं अपना करियर बनाने में कामयाब जरूर हो जायेंगे.

डांस में करियर कैसे बनाये अपने डांस को हमेशा कंटिन्यू रखें-

आपको अगर डांस करने में रूचि हैं और आप डांस मैं अपना करियर बनाना चाहते हैं तोह आप अपने डांस को कभी भी ऑफ मत रखिए.हमारा कहने का मतलब हैं की आप हो सके तो रोज या दो तीन दिन के बाद बाद अपने घर में ही डांस की प्रैक्टिस करिए.आप अगर चाहे तोह एक कमरे को लॉक करके उस कमरे में अपने डांस की प्रैक्टिस कर सकते हैं. आप अगर अपने डांस को एक दम से बंद न करके उसको कंटिन्यू रखेंगे तो आपको डांस में एक्सपीरियंस बना रहेगा और आपको डांस करने में किसी भी तरह की गलती का एहसास नहीं होगा.

स्कूल, कॉलेज में हो रही डांस कॉम्पेटीशन्स में भाग लें-

अगर आप डांस मैं अपना करियर बनाने मैं इंटरेस्टेड हैं तो आप स्कूल, कॉलेज और बाकि छोटे मोटे functions में होने वाले डांस competitions में भाग लेते रहे. ऐसे छोटे मोटे competitions में भाग लेते रहने से आपकी ऐम्बर्रसमेंट वाली फीलिंग खतम हो जायेगी और जब आपको किसी के सामने डांस करने से ऐम्बर्रसमेंट का एहसास नहीं होगा तब आप अपने डांस को खुल के कर पाएंगे और डांस मैं अपना करियर बनाने में और डांस की दुनिया में अपनी एक जगह बनाने में कामयाब हो जायेंगे.

डांस क्लास ज्वाइन कर सकते हैं

अगर आप डांस मैं अपना करियर बनाना चाहते हैं तोह इस के लिए आपका डांस में माहिर होना बहुत जरूरी हैं. और मैं अपने आप को पक्का और निपुण बनाने के लिए आप लोग एक डांस क्लास ज्वाइन कर सकते हैं. ऐसा करने से डांस के प्रति आपका जूनून और डांस मैं आपका नॉलेज दोनों की वृद्धि होगी. और तभी आप डांस के लिए परफेक्ट माने जायेंगे.

कोरियोग्राफर कैसे बने

कोरियोग्राफर बनने के लिए जरूरी है की आप को डांस करने का बहुत शौक हो. इसके लिए सबसे पहले आप किसी अच्छे डांस स्कूल में प्रवेश लें और डांस के बेसिक स्टेप्स को जान लें जिससे किसी के भी सामने आप कुछ डांस कर के बता सकें. अब डांस की पढाई करनी होगी. कोरियोग्राफी को सिखाने के लिए हर जगह स्कूल या यूनिवर्सिटी नहीं है इसलिए आपको कुछ जगहों पर उपलब्ध डांस की ही संस्थाओं में प्रवेश लेना होगा.

कुछ प्रमुख संस्थाएं जो कोरियोग्राफी सिखाती हैं

- संगीत नाटक अकादमी न्यू डेल्ही,
- नाटय इंस्टिट्यूट ऑफ कथाक एंड कोरियोग्राफी बंगलोरे
- फैकल्टी ऑफ आर्ट्स इन यूनिवर्सिटी मैसोरे
- स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स एंड म्यूजिक, इंदौर
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी
- महात्मा गांधी मिशन संगीत अकादमी औरंगाबाद,
- शिवाजी यूनिवर्सिटी कोल्हापुर
- गर्ल्स कॉलेज इंदौर
- फ्लेम स्कूल ऑफ आर्ट्स पुणे
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी वाराणसी,

प्राइवेट इंस्टिट्यूट में भी डांसं

जब आप गवर्नमेंट के इन इंस्टिट्यूट से डांस में डिग्री या डिप्लोमा ले लें तो यह मत समझिए कि आपकी डांस की पढाई पूरी हो गयी है.इसके बाद अप्प प्राइवेट संस्थानों से डांस की पढाई करें. कुछ प्रमुख संस्थान जो कोरियोग्राफी सिखाते हैं उनके नाम हैं थे।

डांसवर्क्स परफार्मिंग आर्ट्स अकादमी, मुम्बई
न्यू डेल्ही, शामक डावर इस्टिट्यूट फॉर परफार्मिंग आर्ट्स, मुम्बई
श्रृति संगीत विद्यालय जळगाव आदि हैं.

अब किसी मुम्बई के ग्रुप को ज्वाइन करें

जब आप प्राइवेट इंस्टिट्यूट से भी डांस सीख लें उसके बाद आप मुम्बई के किसी डांस ग्रुप को ज्वाइन कर लें. वैसे तो डांस ग्रुप हर जगह होते हैं पर मुंबई में रहकर आप प्रोड्यूसर और डायरेक्टर्स से संपर्क भी कर सकते हैं इसलिए डांस में करियर बनाने के लिए मुम्बई ही सबसे सही जगह है.

जॉब में ज्यादा से ज्यादा सीखें

अपने इतना सीखा है इसका मतलब यह नहीं कि आप अपने आपको सबसे अच्छा कोरियोग्राफर समझने लगें. याद रखें पढाई के दौरान सीखने में और जॉब करते समय सीखने में बहुत अंतर होता है. इसलिए जब आप डांस ग्रुप ज्वाइन करें तो आप जयादा से ज्यादा अनुभव लेने की कोशिश करें.

विडियो सीडी से सीखें

आप कुछ फॉरेन कोरियोग्राफर के डांसेज की सीडीस खरीद लें. जब आप खाली हों तो आप डांस की सीडीस चलाकर उनके स्टेप्स को नोट करें और सोचें कि इस स्टेप में और क्या नया हो सकता है. यह सभी नए स्टेप जो आप बना रहे हैं उसे आप अकेले में परफॉर्म करके अपने वीडियो कैमरे में रिकॉर्ड कर लें जिससे की आप यह डांस स्टेप्स भूलेंगे नहीं और समय पर आप किसी प्रोड्यूसर और डायरेक्टर को वह स्टेप्स करके दिखा सकते हैं.

प्रोड्यूसर और डायरेक्टर से संपर्क करें

जब आपको यकीन हो जाए कि किसी गाने की कोरियोग्राफी आप कर सकते हैं और आपके पास अनेकों नए डांस स्टेप्स हैं तब आप फिल्म प्रोड्यूसर और डायरेक्टर से संपर्क करें और उन्हे पहली मुलाकात में ही हु डांस स्टेप दिखाएँ की फिल्म प्रोड्यूस और डायरेक्टर्स आप से प्रभवित हुए बिना नहीं रह सके और आपको की कोरियोग्राफी करने का अवसर दें. वैसे तो अनेक फिल्म प्रोड्यूसर अच्छे' कोरियोग्राफर की तलाश करते हैं पर कुछ बड़े बैनर जिनके साथ काम करके आप अपना भविष्य संवार सकते हैं बालाजी टेलीफिल्म्स, मुक्ता आर्ट्स, एरोस इंटरनेशनल, उत्व मोशन पीक्चर्स, भंसाली प्रोड्यूक्शन्स,यश राज प्रोड्यूक्शन्स, धर्म प्रॉड्यूक्शन्स, विशेष फिल्म्स, राजश्री प्रोड्यूक्शन्स हैं.

क्या सैलरी होती है

इस करियर में अनुभव के आधार पर सैलरी मिलते है. एक फ्रेशर कोरियोग्राफर के तौर पर 400 से 500 रूपए प्रति घंटा प्राप्त करता है जबकि कुछ अनुभव हो जाने पर कोरियोग्राफर को 2000 रूपए प्रति घंटे तक मिल जाते हैं.फिल्म इंडस्ट्रीज से जुड़े अनुभवी और सफल कोरियोग्राफर एक साल में 20 लाख रूपए तक कमा लेते हैं.

आप को यह अच्छी तरह से समझ में आ गया होगा की डांस में करियर कैसे बना सकते हैं या डांस में करियर बनाने के के लिए हम किन किन तरीको को अपना सकते हैं. हम तो आप लोगो से बस यही कहेंगे कि अपने इस पैशन को ऐसे ही ठंडा मत हो जाने दीजिये ।

टीवी एंकर क्या है

इस फिल्ड में स्कोप और सम्भावनायें

एंकर टीवी के परदे पर सबसे पहले किसी खबर की सूचना देता है, उसके बारे में बताता है। जब भी हम किसी टीवी एंकर के बारे में सोचते हैं तो मन में यही सवाल आता है की इस फिल्ड में जॉब करना काफी आसान होता है। टीवी पर एंकरिंग करना कोई आसान काम नही होता तथा इस फिल्ड में पैसा कमाना भी आसान काम नही है। टीवी एंकरिंग करनी हो या किसी रेडियो में शो होस्ट करना हो दोनों में काफी मेहनत करनी पड़ती है। एंकरिंग करने के लिए हमे अनेक बातो का ख्याल रखना पड़ता है। एक अच्छे एंकर का काम दर्शकों को चैनल से जोड़े रखना होता है। आजकल टीवी पर एंकरिंग करना एक फैशन बन गया है। लेकिन टीवी पर एंकरिंग करनी हो या रेडियो शो होस्ट करना या फिर किसी मैच की लाइव कमेंट्री करना, इस सबके लिए छात्रों के पास विशेष योग्य का होना अनिवार्य है। इसके साथ ही विनम्र आवाज तथा आत्मविश्वास का होना भी अनिवार्य होता है।

टीवी एंकर के लिए शैक्षिक योग्यता

आजकल काफी छात्र टीवी एंकर की चाह रखते हैं। इस क्षेत्र में आजकल जॉब के लिए काफी अवसर मिल जाते हैं। टीवी एंकरिंग करने के लिए छात्र को किसी मान्यता प्राप्त संस्था से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण होनी अनिवार्य है। इसके अलावा छात्र को हिंदी भाषा का सम्पूर्ण ज्ञान होना भी अनिवार्य है।

टीवी एंकर के लिए क्षेत्र

आजकल काफी लोग टीवी एंकर बनने के लिए इससे सम्बंधित कोर्सेज करते हैं। छात्रों को इस क्षेत्र में अपना करियर बनाने के लिए अनेक ऑप्शन मिल जाते हैं। यदि आपने टीवी एंकरिंग का कोर्सेज किया है तो आप भी इस फिल्ड में अपना करियर आसानी से बना सकते हैं। आजकल टीवी में अनेक प्रकार के शो आते हैं। आप चाहे तो टीवी में होने वाले शोज में भी आप जॉब के लिए कोशिश कर सकते हैं।

टीवी एंकर के गुण

1. एक अच्छा टीवी एंकर बनने के लिए आपके पास स्पष्ट आवाज का होना बहुत ही जरुरी होता है।
2. इसके अलावा टेक्निकल सिस्टम को समझने की कैपिसिटी का होना भी अनिवार्य होता है।
3. कई बार तो टीवी एंकरिंग करने के लिए स्क्रिप्ट भी खुद ही लिखनी पड़ती है। ऐसे में आपके पास जर्नलिज्म बैकग्राउंड होना अनिवार्य है।
4. एक अच्छा एंकर बनने के लिए आपके पास मधुर आवाज के साथ-साथ कुशल संचालन योग्यता होनी चाहिए। जिससे आप आसानी से एंकरिंग कर सकेंगे।

टीवी एंकरिंग के कोर्सेस

1. एंकरिंग की बुनियादी जानकारियां
2. टीवी न्यूज़ चैनलों की दुनिया
3. स्टूडियो की बुनियादी जानकारी
4. आवाज़ को निखारें
5. कैसे बने स्टाईलिश एंकर
6. जॉब इंटरव्यू की कैसे करें तैयारी
7. एंकर टिप्स

प्रमुख इंस्टीटयूट

- इंडियन इंस्टिट्यूट आफ मास्स कम्युनिकेशन, न्यू दिल्ली
- एशियाई अकादमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन, नॉएडा
- भारतीय विद्या भवन, न्यू दिल्ली
- गार्डन सिटी कॉलेज, बैंगलोर

ज्वेलरी डिजाइनिंग

में बनाएं अपना सुनहरा भविष्य

अगर आप की रुचि डिजाइनिंग क्षेत्र में जाने की है तो ज्वेलरी डिजाइनिंग आपके लिए बेहतर करियर विकल्प हो सकता है। भारत एक ऐसा देश है जहां लोगों में ज्वेलरी के प्रति सबसे ज्यादा क्रेज रहता है। इस वजह से ज्वेलरी इंडस्ट्री भी देश की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है। इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस इंडस्ट्री की क्षमता 2015 तक 2.15 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

योग्यता: इस क्षेत्र से जुड़े कई डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और एडवांस डिप्लोमा कोर्सेज उपलब्ध हैं। कुछ नामी इंस्टिट्यूट में कंप्यूटर की सहायता से भी ज्वैलरी डिजाइनिंग की शिक्षा दी जाती है। कुछ कोर्सेज के लिए कम से कम स्नातक होना आवश्यक है और कुछ शॉर्ट टर्म या कम अवधि ?वाले कोर्स सीधे बारहवीं के बाद भी किए जा सकते हैं।

कोर्स में क्या पढ़ाया जाता है

कोर्स में आपको पत्थरों के विभिन्न प्रकार, कलर स्कीम, डिजाइन थीम, परजेंटेशन और फ्रेमिंग, इंडिविजुअल जूलरी पीस का डिजाइन करना, पुरुषों की जूलरी, कॉस्ट्युम जूलरी, कॉस्टिंग वगैरह के बारे में बताया जाता है। जहां तक जूलरी की डिजाइनिंग का संबंध है इसके लिए कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं होता। किसी फील्ड के प्रफेशनल जूलरी डिजाइनिंग वर्कशॉप में शामिल होकर अपना प्रॉडक्शन हाउस खोल सकते हैं।

जॉब के अवसर

इस क्षेत्र में दिनों दिन बढ़ते रुझान के चलते करियर का स्कोप काफी अच?छा है। शुरुआती सैलरी आप 10 हजार रुपये महीने तक आसानी से कमा सकते हैं। इसमें सबसे बेहतरीन बात यह है कि आप इसका काम फ्रीलांस भी कर सकते हैं या फिर अपना बिजनेस भी स्टार्ट कर सकते हैं।

किन क्षेत्रों मे हैं नौकरी के अवसर

प्राइवेट सेक्टर में मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों, ज्वेलरी हाउसेस, रिसर्च एंड ऑर्गेनाइजेशन, ऑक्शन हाउसेस में नौकरी मिलने के चांसेस रहते हैं। अगर आप चाहें तो आप फ्रीलांस डिजाइन के जरिए अपने बीजनेस की शुरुआत भी कर सकते हैं।

आभूषणों में भी विभिन्न तरह के कोर्स होते हैं इनमें से प्रमुख हैं

- डिप्लोमा इन ज्वेलरी डिजाइन एंड जैमोलॉजी (अवधि 2 वर्ष)
- डायमंड ग्रेडिंग कोर्स (अवधि 2 माह)।
- सर्टिफिकेट इन ज्वेलरी डिजाइन एंड जैमोलॉजी (अवधि 1 साल)
- जैम आइडेंटिफिकेशन (अवधि 3 माह)।
- शार्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्सेज इन जैमोलॉजी, पॉलिशिंग, मैन्युफैक्चरिंग।

कहां से करें कोर्स

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जेमोलॉजी, दिल्ली।
- इनसाइन-द ज्वैल डिजाइन इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली।
- आर्च जेमोलॉजी एंड ज्वैलरी इंस्टीट्यूट, जयपुर।
- इंडियन डायमंड इंस्टीट्यूट-सरदार बल्लभ भाई पटेल सेंटर ऑफ ज्वैलरी डिजाइन एंड मेन्युफैक्चर, सूरत।

आयुर्वेद के हैं कई फायदे, आयुर्वेद में बनाये अपना सुनहरा भविष्य

स्नातक स्तर पर बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं सर्जरी (बीएएमएस) जैसा कोर्स विभिन्न भारतीय आयुर्वेदिक संस्थानों में है। इसके बाद विद्यार्थी पीजी प्रोग्राम, जैसे एमडी (आयुर्वेद) और एमएस (आयुर्वेद) की पढ़ाई कर सकते हैं। कुछ संस्थानों में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी उपलब्ध हैं, जिनकी अवधि तुलनात्मक रूप से कम होती है।

क्या है आयुर्वेद

आयुर्वेद आयुर्विज्ञान की प्राचीन भारतीय पद्धति है। यह आयु का वेद अर्थात आयु का ज्ञान है। जिस शास्त्र के द्वारा आयु का ज्ञान कराया जाए,उसका नाम आयुर्वेद है। शरीर, इंद्रिय सत्व और आत्मा के संयोग का नाम आयु है। आधुनिक शब्दों में यही जीवन है। प्राण से युक्त शरीर को जीवित कहते है। आयु और शरीर का संबंध शाश्वत है। आयुर्वेद में इस संबंध में विचार किया जाता है। जिस विद्या के द्वारा आयु के संबंध में सर्वप्रकार के ज्ञातव्य तथ्यों का ज्ञान हो सके या जिस का अनुसरण करते हुए दीर्घ आयुष्य की प्राप्ति हो सके उस तंत्र को आयुर्वेद कहते हैं।

शैक्षणिक योग्यता: बीएएमएस की अवधि एक साल की इंटर्नशिप सहित साढ़े 5 साल की होती है। जो विद्यार्थी इस कोर्स में दाखिला लेना चाहते हैं, उनके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के साथ 12वीं उत्तीर्ण होना निर्धारित है। विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं के आधार पर इस कोर्स में दाखिले की योग्यता बनती है। एमबीबीएस कर चुके विद्यार्थी भी आयुर्वेद में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में नामांकन करा सकते हैं। जिनकी रुचि शोधकार्यों में है, उन्हें सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदा एंड सिद्धा के माध्यम से मौके मिल सकते हैं।

व्यक्तिगत गुण: प्रकृति और प्राकृतिक वस्तुओं, जैसे जड़ी-बूटी, वनस्पति आदि में स्वाभाविक दिलचस्पी से आप इस क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं। आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होनी चाहिए, तभी आप लोगों को बेहतर परामर्श दे सकते हैं। रोगियों की बातों को धैर्यपूर्वक सुनने और उनके साथ बेहतर तालमेल बनाए रखने की क्षमता आवश्यक है।

मौकों की कमी नहीं

ये आप जानते हैं कि भारत में नए ट्रेंड के मुताबिक अब ऐसा वर्ग बन रहा है जो एलोपेथी की बजाय आयुर्वेद पर विश्वास कर रहा है। मध्यम और उच्च मध्यम वर्ग भी रोजमर्रा के इलाज के लिए आयुर्वेद की शरण ले रहा है। ऐसे में इस फील्ड में काफी स्कोप है। निजी और सरकारी आयुर्वेदिक अस्पतालों, क्लीनिकों में जूनियर डॉक्टरों के रूप में आयुर्वेद में प्रोफेशनल नियुक्ति पाते हैं। काम के अनुभव के साथ-साथ इस क्षेत्र में तरक्की की संभावना भी बढ़ती जाती है। इस क्षेत्र में रिसर्च के काफी काम होते हैं। ऐसे में उच्च शिक्षा प्राप्त करके रिसर्च से भी जुड़ा जा सकता है। युर्वेदिन संस्थानों में टीचिंग से संबंधित मौके भी मिलते हैं। आयुर्वेदिक क्लिनिक या आयुर्वेदिक दवाओं की दुकान खोलकर इस क्षेत्र में स्वरोजगार से भी जुड़ा जा सकता है, पर इसके लिए जरूरी है कि कहीं काम करके अनुभव प्राप्त कर लिया जाए।